भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 15 सितम्बर, 2025
जारी करने का समय: 1400 घंटे

विषय: (i) अगले 2-3 दिनों तक पूर्वोत्तर भारत और महाराष्ट्र में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, जबकि 15 सितंबर, 2025 को कोंकण और मध्य महाराष्ट्र में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
(ii) अगले 2 दिनों के दौरान राजस्थान के कुछ और हिस्सों तथा पंजाब और गुजरात के कुछ हिस्सों से दक्षिण-पश्चिम मानसून के वापस जाने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं।

पिछले 24 घंटों में 15 सितम्बर, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, कोंकण और गोवा में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, असम, पश्चिम बंगाल में गंगा के तटीय क्षेत्र, झारखंड, बिहार, तेलंगाना और तटीय आंध्र प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- पंजाब, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, पूर्वी मध्य प्रदेश, ओडिशा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया **अनुलग्नक I** देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी रेखा 30.5° उत्तर / 73.5° पूर्व, श्री गंगानगर, नागौर, जोधपुर, बाड़मेर और 25.5° उत्तर / 70° पूर्व से होकर गुजर रही है। अगले 2 दिनों के दौरान राजस्थान के कुछ और हिस्सों और पंजाब व गुजरात के कुछ हिस्सों से दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं। **(अनुलग्नक IV)**
- उत्तरी तेलंगाना और उससे सटे विदर्भ पर बना निम्न दबाव का क्षेत्र आज, 15 सितंबर, 2025 को सुबह 0530 बजे IST पर कम स्पष्ट हो गया है।
- उपरोक्त निम्न दबाव के क्षेत्र से जुड़ा एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण अब पूर्वी विदर्भ और निचले क्षोभमंडल स्तरों पर स्थित है, जो ऊँचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुक रहा है।
- एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी बिहार और निचले व मध्य क्षोभमंडल स्तरों पर स्थित है।
- एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में मध्य असम के ऊपर और एक अन्य निचले से मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों में मेघालय और आसपास के क्षेत्रों के ऊपर स्थित है।
- एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर स्थित है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

पूर्वोत्तर भारत:

- 15-17 सितंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश में और 20 व 21 सितंबर को; 15-21 सितंबर के दौरान असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा/गरज के साथ भारी वर्षा की संभावना है; 15 और 16 सितंबर को अरुणाचल प्रदेश में; 15 सितंबर को नागालैंड और असम और मेघालय में बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत:

- 15-19 सितंबर के दौरान तमिलनाडु में; 15 को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 15 को रायलसीमा, तेलंगाना और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 17 सितंबर को तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 5 दिनों के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में तेज़ सतही हवाएँ (30-40 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- 15 तारीख को मध्य प्रदेश और ओडिशा में; 15 और 16 तारीख को विदर्भ, छत्तीसगढ़, गंगीय पश्चिम बंगाल; 15 और 17-20 तारीख के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; 15-18 तारीख के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, झारखंड; 15-19 सितंबर के दौरान बिहार अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ छीटों में भारी वर्षा की संभावना; 15-17 तारीख के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 15 और 16 सितंबर को बिहार और झारखंड में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- 15 सितंबर को कोंकण और मध्य महाराष्ट्र में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) होने की संभावना है।
- 15-18 सितंबर के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र में; 15-17 सितंबर के दौरान मराठवाड़ा में भारी वर्षा होने की संभावना; 15 और 16 सितंबर को मराठवाड़ा में और 16 सितंबर को कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र में भी बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- 15 और 16 सितंबर को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में; 15 को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 15-19 सितंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में कुछ/छीट-छाट स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ भारी वर्षा की संभावना है; 15 सितंबर को उत्तराखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को मछुआरा चेतावनी ग्राफ़िक्स के अनुसार निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी जाती है:

अरब सागर:

- 15 से 20 सितंबर के दौरान पश्चिम-मध्य, दक्षिण-पश्चिम एशिया के कुछ हिस्से, सोमालिया तट के साथ और उसके आसपास, 16-18 के दौरान ओमान-यमन तटों के साथ और उसके आसपास; 16, 18 और 19 को उत्तर-पश्चिम और आसपास के पश्चिम-मध्य एशिया और आसपास के समुद्री क्षेत्र; 15 सितंबर को कोंकण और गोवा तटों के साथ और उसके आसपास, आसपास के समुद्री क्षेत्र; 16 सितंबर को दक्षिण कोंकण, गोवा तटों के साथ और उसके आसपास न जाने की सलाह दी जाती है।

बंगाल की खाड़ी:

- 15, 16 और 19 सितंबर के दौरान श्रीलंका तट के साथ और उसके आसपास, दक्षिण-पश्चिम बीओबी के कुछ हिस्सों में; 15 सितंबर को दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कई हिस्से; 18 सितंबर को दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कुछ हिस्से, 19 को दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कई हिस्से; 15 से 20 के दौरान मन्नार की खाड़ी और आसपास के कोमोरिन क्षेत्र; 18 से 20 सितंबर के दौरान अंडमान सागर पर न जाने की सलाह दी जाती है।

ii. 15 सितम्बर से 18 सितंबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:
https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल**: तोरसा चाय बागान (जिला अलीपुरद्वार) 28, जीती टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 17, झलोंग (जिला कलिम्पोंग) 12, घाटिया टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 11, हिल्ला टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 9, कुर्ती टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 9, घुघुमारी (जिला कूच बिहार) 8, चेंगमारी/डायना (जिला जलपाईगुड़ी) 7, चलौनी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 7;
- **कोंकण:** माथेरान (जिला रायगढ़) 27, पनवेल_एग्री (जिला रायगढ़) 17, पोलादपुर (जिला रायगढ़) 16, महाड (जिला रायगढ़) 15, कर्जत_एग्री (जिला रायगढ़) 15, कोलाबा - इमद ऑब्सी (जिला मुंबई शहर) 13, मानगांव (जिला रायगढ़) 9, त्विया इमद पार्ट टाइम (जिला ठाणे) 8, सांताक्रूज़ - इमद ऑब्सी (जिला मुंबई उपनगर) 7, म्हासला (जिला रायगढ़) 7, उरण (जिला रायगढ़) 7, रोहा (जिला रायगढ़) 7, मंडनगढ़ (जिला रत्नागिरी) 7;
- **गांगेय पश्चिम बंगाल**: दीघा (जिला पूर्वी मिदनापुर) 20, आसनसोल (सीडब्ल्यूसी) (जिला पश्चिम बर्धमान) 9, आसनसोल (जिला पश्चिम बर्धमान) 7;
- **उत्तराखंड**: देवप्रयाग (जिला गढ़वाल टेहरी) 19, डीडीहाट (जिला पिथौरागढ) 10;
- **झारखंड**: 15, चक्रधरपुर (जिला पश्चिमी सिंहभूम) 13, सदर चाईबासा (जिला पश्चिमी सिंगभूम) 10, डाल्टनगंज (जिला पलामू) 9, मांडू डीवीसी (जिला रामगढ़) 9, राजधनवार (जिला गिरिडीह) 9, चैनपुर (जिला पलामू) 8, मांडर (जिला रांची) 7, चाईबासा (जिला) पश्चिमी सिंहभूम) 7;
- **असम और मेघालय**: सोनितपुर एडब्ल्यूएस (जिला सोनितपुर) 14, मासिनराम (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 11, भागमारा (जिला दक्षिण गारो हिल्स) 11, सुआलकुची अर्ग (जिला कामरूप (ग्रामीण)) 11, चौलधुवाघाट अर्ग (जिला लखीमपुर) 11, करीमगंज (जिला श्रीभूमि) 10, धेमाजी (जिला) धेमाजी) 9, बी पी घाट (जिला श्रीभूमि) 8, नाहर कटिया (जिला डिब्रूगढ़) 8, लखीमपुर अर्ग (जिला लखीमपुर) 7, नोंगस्टीन (जिला पश्चिमी खासी हिल्स) 7, एन.लखीमपुर/लीलाबारी (जिला लखीमपुर) 7, गोलाघाट_ सीडब्ल्यूसी (जिला गोलाघाट) 7, शेल्ला (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 7;
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश**: नौतनवा (जिला महराजगंज) 13;
- **तेलंगाना**: हाकिमपेट आईएएफ़ (जिला एम. मल्काजगिरि) 13, कोटगिरि (जिला निज़ामाबाद) 9, मदनूर (जिला कामारेड्डी) 9, हिमायतनगर (जिला हैदराबाद) 9, सीजीडब्ल्यूबी नागोले (ए) (जिला एम. मल्काजगिरि) 9;
- **तटीय आंध्र प्रदेश**: गुंटूर (जिला गुंटूर) 13, वेलिगांडला (जिला प्रकाशम) 7;
- **उत्तरी आंतरिक कर्नाटक**: कक्केरी (जिला यादगीर) 11, इलकल (जिला बागलकोट) 9, लिंगसुगुर (जिला रायचूर) 9, हुनसगी (जिला यादगीर) 7;
- **मराठावाड़ा**: देवनी (जिला लातूर) 11, देगलूर - एफएमओ (जिला नांदेड़) 10, शिरूर कसार (जिला बीड) 9, धारूर (जिला बीड) 8, काइज (जिला बीड) 8, बीड (जिला बीड) 7;
- **पंजाब**: रणजीत सागर बांध स्थल (जिला पठानकोट) 9, शाहपुर कंडी (जिला पठानकोट) 7;
- **ओडिशा**: राजनगर (जिला केंद्रपाड़ा) 9, नवाना (जिला मयूरभंज) 9, चिल्का (जिला खुर्दा) 9;
- **मध्य महाराष्ट्र**: खुतबाव दौंड औस (जिला पुणे) 9, पडेगांव_कृषि (जिला सतारा) 9, चिंचवड़ - आरजी (जिला पुणे) 8, महाबलेश्वर - इमद ओब्सी (जिला सतारा) 7;
- **बिहार**: राघोपुर (जिला वैशाली) 9, खिजिरसराय (जिला गया) 9, बिदुपुर (जिला वैशाली) 9, परसा (जिला सारण) 9, जयनगर (जिला मधुबनी) 9, सहदेई बुजुर्ग (जिला वैशाली) 9, अलीनगर (जिला दरभंगा) 8, घनश्यामपुर (जिला दरभंगा) 8, नीम चक बथानी (जिला गया) 8, झंझारपुर (जिला मधुबनी) 8, खुसरूपुर (जिला पटना) 7, सलखुआ (जिला सहरसा) 7, मधेपुर (जिला मधुबनी) 7, मैरवा (जिला सीवान) 7, देसरी (जिला वैशाली) 7, महनार (जिला वैशाली) 7, मानपुर (जिला गया) 7, सरायरंजन (जिला समस्तीपुर) 7;

- ❖ **अरुणाचल प्रदेश**: रोइंग (जिला निचली दिबांग घाटी) 9, नामसाई (जिला लोहित) 9, देवमाली_अव्स (जिला तिराप) 9, नाहरलागुन_अव्स (जिला पापुमपारा) 7;
- ❖ **नागालैंड**: मोकोकचांग (जिला मोकोकचुंग) 9, ओंगपंगकोंग एनएसडीएमए_एडब्ल्यूएस (जिला मोकोकचुंग) 8, जुन्हेबोटो (जिला जुन्हेबोटो) 7;
- ❖ **पूर्वी मध्य प्रदेश**: बिजुरी (जिला अनुपपुर) 8.

अनुलग्नक II

Table-1

7 Days Rainfall Forecast

S.No.	Subdivision	15- Sep	16- Sep	17- Sep	18- Sep	19- Sep	20- Sep	21- Sep
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT
7	ODISHA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
8	JHARKHAND	WS	WS	WS	WS	FWS	SCT	SCT
9	BIHAR	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
12	UTTARAKHAND	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	DRY	DRY
14	PUNJAB	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	ISOL	SCT	SCT	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	SCT	SCT	FWS	FWS	WS	WS	FWS
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	SCT	FWS	FWS	WS	WS	FWS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
24	MADHYA MAHARASHTRA	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	WS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
26	VIDARBHA	WS	WS	WS	WS	FWS	SCT	SCT
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	SCT
29	TELANGANA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	SCT	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	FWS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	WS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	FWS	WS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT

• जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

अनुलग्नक III

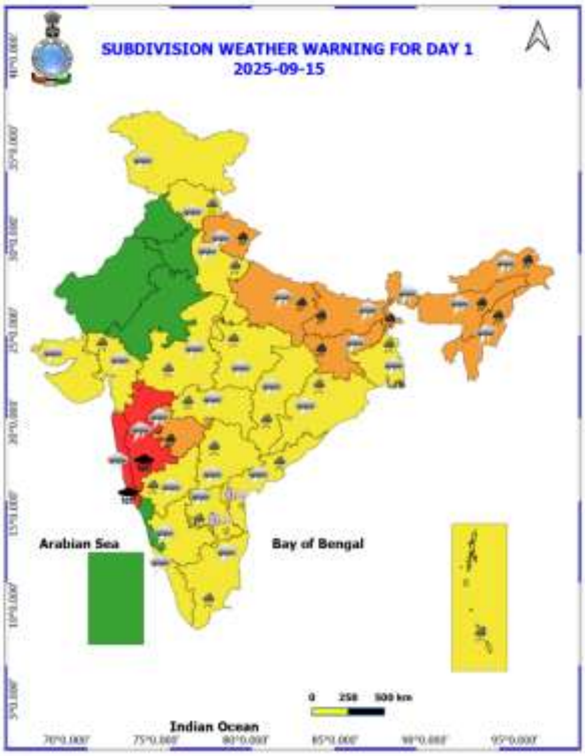
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-09-15
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

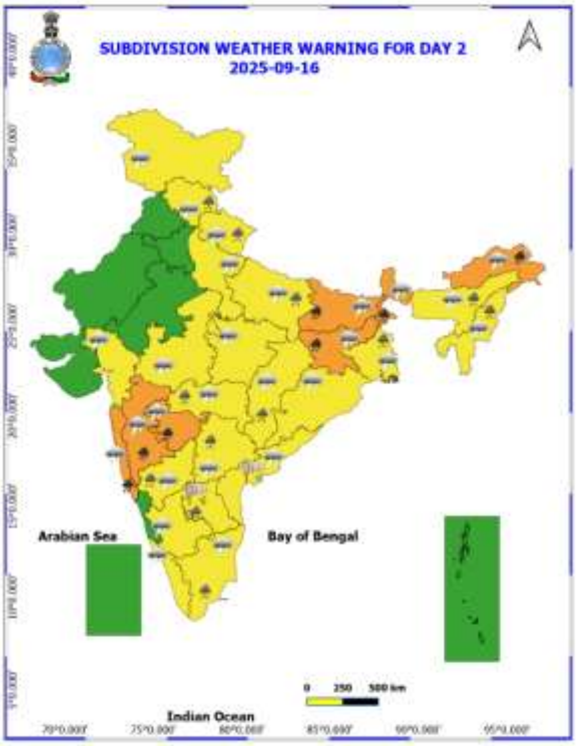
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-09-16
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

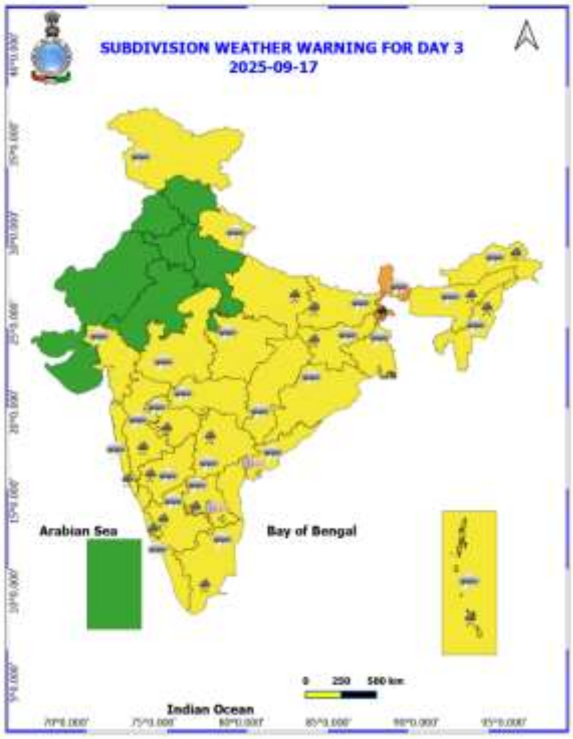
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-09-17
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

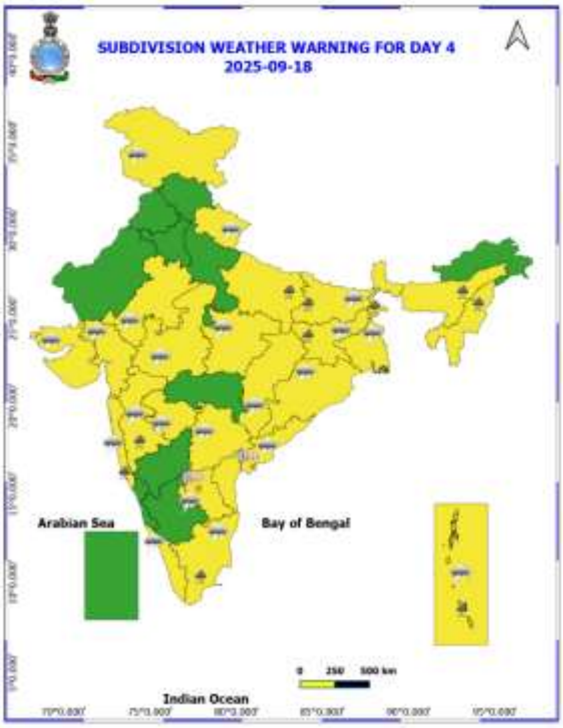

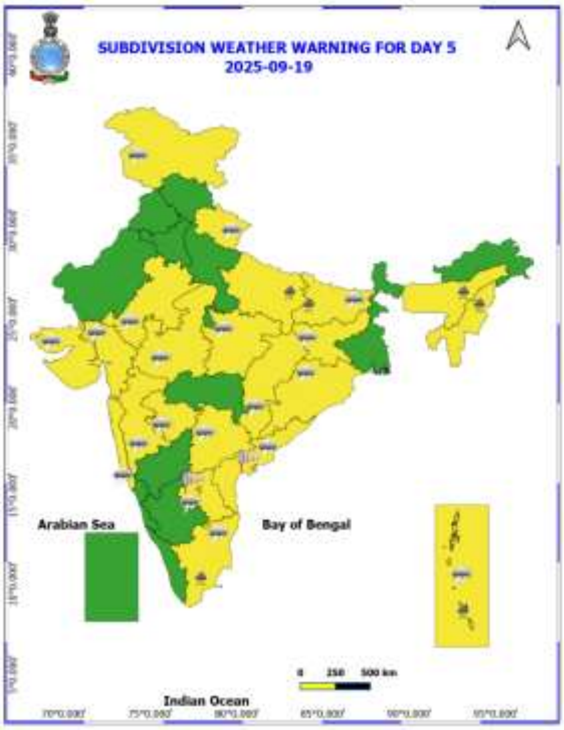

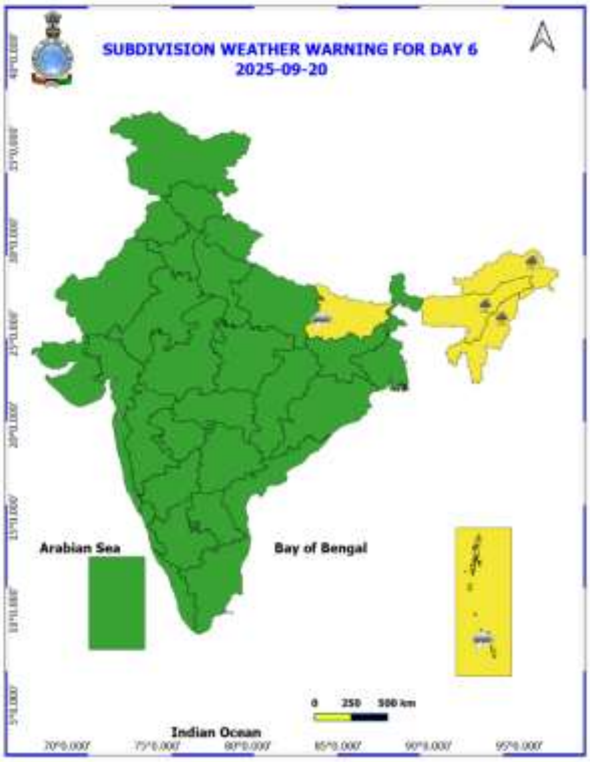

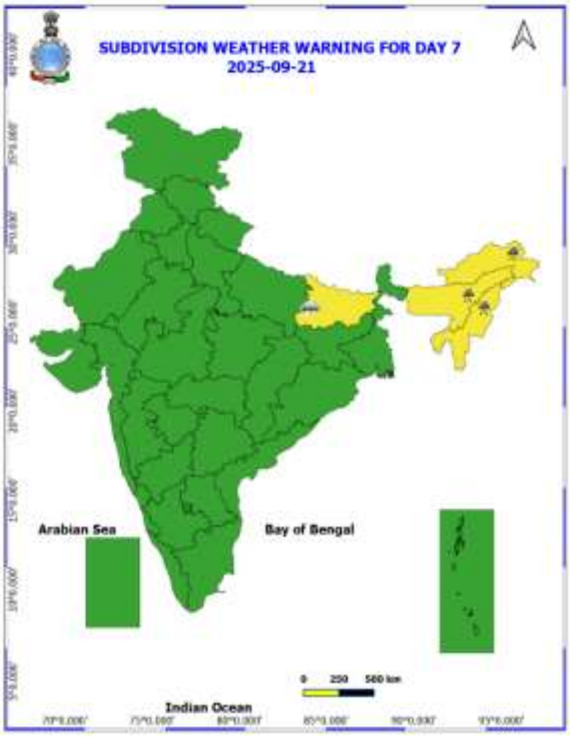

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है
https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक IV

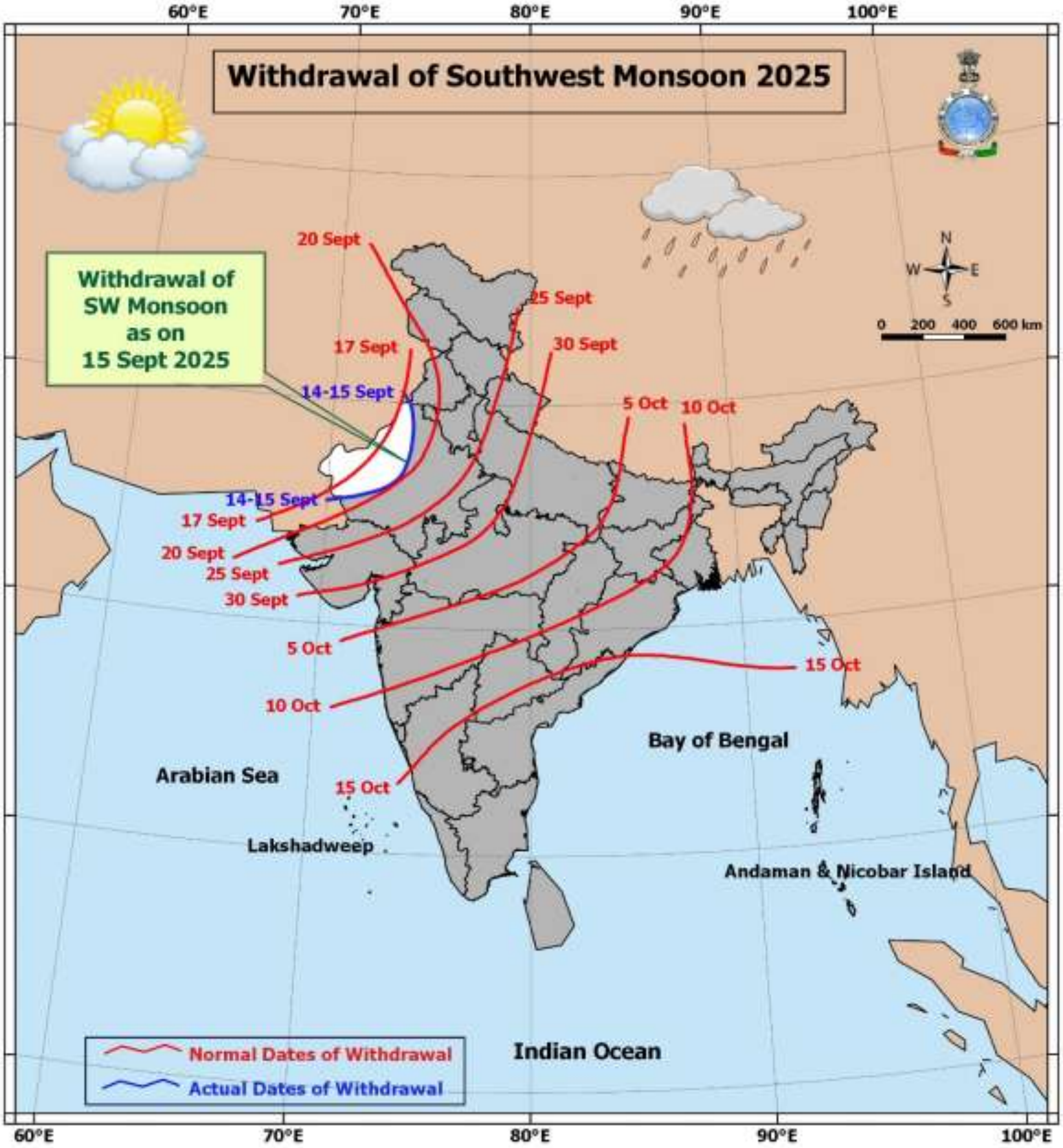
Withdrawal of Southwest Monsoon 2025
Withdrawal of SW Monsoon as on 15 Sept 2025
20 Sept
17 Sept
14-15 Sept
25 Sept
30 Sept
5 Oct
10 Oct
15 Oct
Arabian Sea
Bay of Bengal
Lakshadweep
Andaman & Nicobar Island
Indian Ocean
Normal Dates of Withdrawal
Actual Dates of Withdrawal
0 200 400 600 km
60°E
70°E
80°E
90°E
100°E
0°
10°N
20°N
30°N
40°N

अनुलग्नक V

15 से 18 सितंबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 34°C और 24 से 26°C के आसपास रहा। न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहे। पिछले 24 घंटों के दौरान आंशिक रूप से बादल छाए रहे और उत्तर-पश्चिम/पश्चिम दिशा से 18 किमी प्रति घंटे की गति से सतही हवाएँ चलीं। आज दोपहर तक इस क्षेत्र में पश्चिम दिशा से 16 किमी प्रति घंटे से कम की गति से हवाएँ चलीं और आसमान मुख्यतः साफ रहा।

मौसम पूर्वानुमान:

15.09.2025: मुख्यतः साफ आसमान, दोपहर तक आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान 34 से 36°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C तक अधिक रहेगा। दोपहर के समय प्रमुख सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 15-20 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। शाम और रात के दौरान उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति 10 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

16.09.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात के दौरान दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

17.09.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34°C और 23 से 25°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2°C तक कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 1-2°C तक कम रहेगा। सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से प्रमुख सतही हवा 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़ेगी और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 25 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात के दौरान दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति 10 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

18.09.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34°C और 23 से 25°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2°C तक कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 1-2°C तक कम रहेगा। सुबह के समय मुख्य सतही हवाएँ उत्तर दिशा से चलने की संभावना है, जिनकी गति 8-12 किमी प्रति घंटा तक रहेगी। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर उत्तर दिशा से 15 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय उत्तर-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 12 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 15 सितंबर को कोंकण और मध्य महाराष्ट्र में अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) होने की संभावना है।
- 15 सितंबर को उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, नागालैंड, असम और मेघालय में; 15 और 16 सितंबर को अरुणाचल प्रदेश, बिहार, झारखंड, मराठवाड़ा; 15-17 सितंबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम और 16 सितंबर को कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
- जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- महाराष्ट्र में, मध्य महाराष्ट्र व विदर्भ में मूंग और उड़द की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें, यदि भंडारण संभव न हो, तो कटी हुई उपज को प्लास्टिक या तिरपाल से ढक दें। मराठवाड़ा में चीकू और शरीफा के परिपक्व फलों की तुरंत कटाई करें तथा कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। कोंकण में, सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से; मध्य महाराष्ट्र में धान, गन्ना, अरहर, सोयाबीन, मक्का एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से; मराठवाड़ा में गन्ना, ज्वार, सोयाबीन, हल्दी एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से तथा विदर्भ में अरहर, कपास, सोयाबीन, मक्का एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- अरुणाचल प्रदेश में, झूम धान, सोयाबीन, रागी, कांगनी एवं सब्ज़ियों की परिपक्व फसलों, केले के पके हुए गुच्छों और सेब व कीवी के पके हुए फलों की तुरंत कटाई करें तथा कटी हुई उपज को उचित ढके हुए स्थान पर स्थानांतरित करें। खड़ी फ़सलों जैसे धान, सोयाबीन, रागी एवं सब्ज़ियों तथा फलों के बागानों में जलजमाव से बचाव हेतु उचित जल निकासी बनाए रखें। भारी वर्षा के दौरान फ्रेंच बीन की नई बुवाई न करें तथा पहले से ही बोई गई फ़सल में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- असम में, पहाड़ी क्षेत्र में धान, गन्ना, उड़द और तिल के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। निचले ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र में, साली धान के खेतों तथा सब्जियों की नर्सरी क्यारियों में उचित जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करें। भारी वर्षा से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु नर्सरी क्यारियों को पतली पॉलीथिन से ढक दें। ऊपरी ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र में, परिपक्व सब्जियों और फलों की कटाई करें और उन्हें सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करें तथा खड़ी फसल के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। उत्तरी तटीय मैदानी क्षेत्र में, चावल, तिल और सब्जियों के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें तथा जूट की कटाई की गई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें।

- मेघालय में, अदरक एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों में उचित जल निकासी बनाए रखें। केला, पपीता, कद्दू आदि जैसी ऊँची और नाज़ुक फसलों को गिरने से बचाने हेतु सहारा प्रदान करें।
- नागालैंड में, परिपक्व झूम धान की कटाई तथा तिल एवं नागा किंग मिर्च की फलियों की तुड़ाई करें और उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहीत करें। धान के खेतों में 3 से 5 सेंटीमीटर जलस्तर बनाए रखें।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, तराई क्षेत्र में अमन धान एवं सब्ज़ियों (मिर्च, करेला, परवल, भिंडी, बैंगन आदि) और पहाड़ी क्षेत्र में उड़द, रागी, अदरक, डैली खोरसानी, सब्जियों और फलों के बागों से अतिरिक्त जल की निकासी व्यवस्था बनाएं रखें।
- झारखंड में, कटी हुई मूंग की फसल को सुरक्षित स्थानों पर रखें। पश्चिमी पठारी क्षेत्र में, पहले से बोई गई पत्तागोभी, फूलगोभी, मूली और अगेती आलू की फसलों से अतिरिक्त जल निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- बिहार में, उत्तर-पश्चिम जलोढ़ मैदानी क्षेत्र में मक्का और सब्जियों जैसी खड़ी फसलों तथा उत्तर-पूर्व जलोढ़ क्षेत्र में मक्का, रागी और सब्जियों जैसी खड़ी फसलों से अतिरिक्त वर्षा जल की उचित निकासी सुनिश्चित करें।
- उत्तराखंड में, उप-आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र में मूंग, उड़द, सोयाबीन, सनवा और रागी के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी सुनिश्चित करें। भाबर और तराई क्षेत्र में, धान, अरहर, उड़द, मूंग, रागी, मक्का और सोयाबीन के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें। भारी वर्षा की स्थिति में आलू और मूली की बुवाई न करें और पहले से ही बोई गई फसलों में जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। पहाड़ी क्षेत्र में, परिपक्व सनवा, अदरक और वर्षा-आधारित धान की फसल की कटाई करें तथा कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। अरहर और सब्जी की फसलों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- उत्तर प्रदेश में, बुंदेलखंड क्षेत्र में, धान, मूंग, उड़द, अरहर और सब्जियों के खेतों में अतिरिक्त वर्षा जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- तेलंगाना में, धान, मक्का, कपास, सोयाबीन, अरहर, हल्दी और सब्जियों के खेतों में अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी हेतु पर्याप्त जल निकासी सुविधाएं सुनिश्चित करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

बाढ़ संबंधी मार्गदर्शन:

16-09-2025 को 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर) के लिए 24 घंटे का आउटलुक:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में मध्यम बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

असम और मेघालय - बक्सा, बारपेटा, बोंगाईगांव, कछार, चिरांग, धेमाजी, डिब्रूगढ़, गोलपारा, कोकराझार, लखीमपुर, मोरीगांव, एन.सी. हिल्स, नागांव, नलबाड़ी, सिबसागर, सोनितपुर, तिनसुकिया, पूर्वी खासी हिल्स, री भोई, दक्षिण गारो हिल्स, पश्चिम खासी हिल्स और जैन्तिया हिल्स जिले।
नागालैंड मिज़ोरम मणिपुर त्रिपुरा (
एनएमएमटी) -
मणिपुर- चंदेल, चुराचांदपुर, सेनापति, उखरुल,
नागालैंड- किफिर, कोहिमा, लोंगलेंग, मोकोकचुंग, मोन, फेक, तुएनसांग, वोखा और जुन्हेबोटो जिले।
उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम - पूर्वी सिक्किम, उत्तरी सिक्किम, जलपाईगुड़ी और कोचबिहार जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दिखाए गए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (एओसी) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

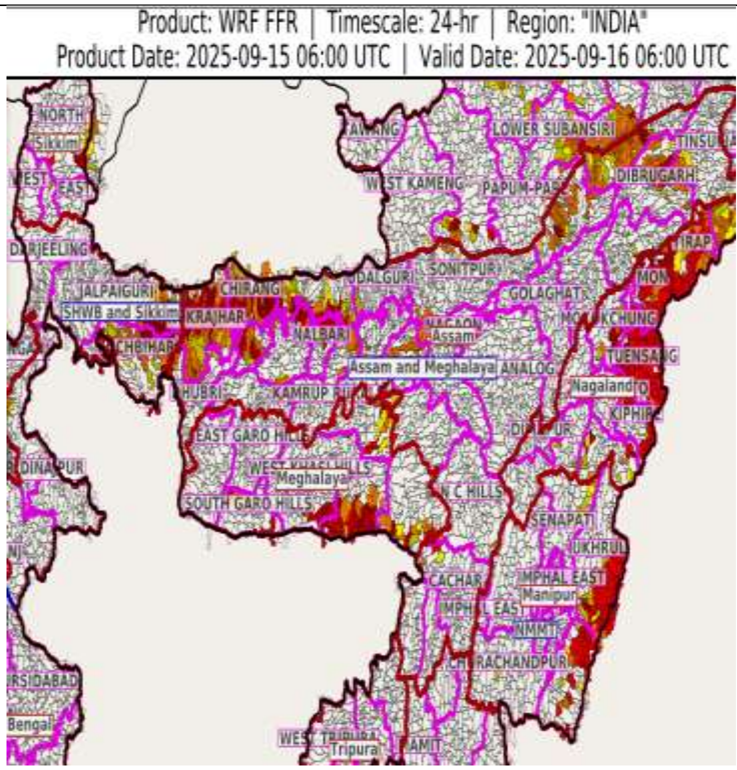

16-09-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में मध्यम से उच्च आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

उत्तराखंड - अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, देहरादून, नैनीताल, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल और उत्तरकाशी जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

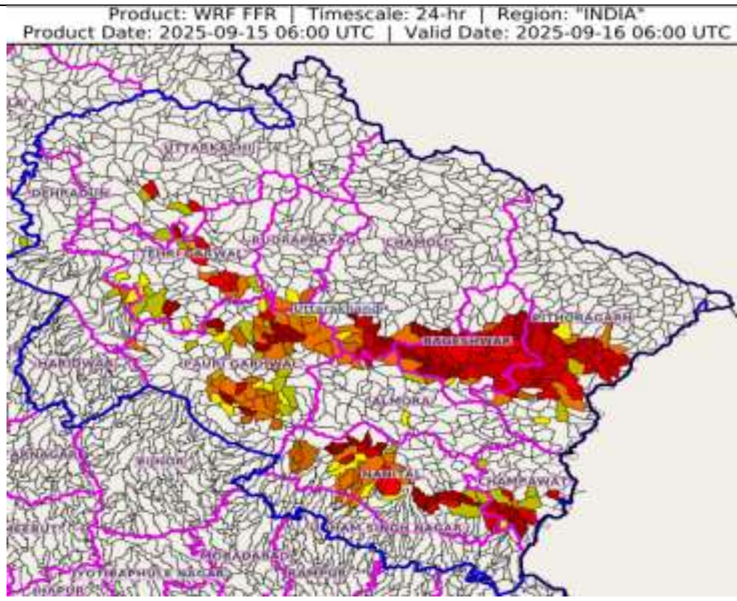

16-09-2025 के 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-विभागों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

कोंकण और गोवा - मुंबई शहर, रायगढ़, उपनगरीय मुंबई और ठाणे जिले।
मध्य महाराष्ट्र - पुणे जिला।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

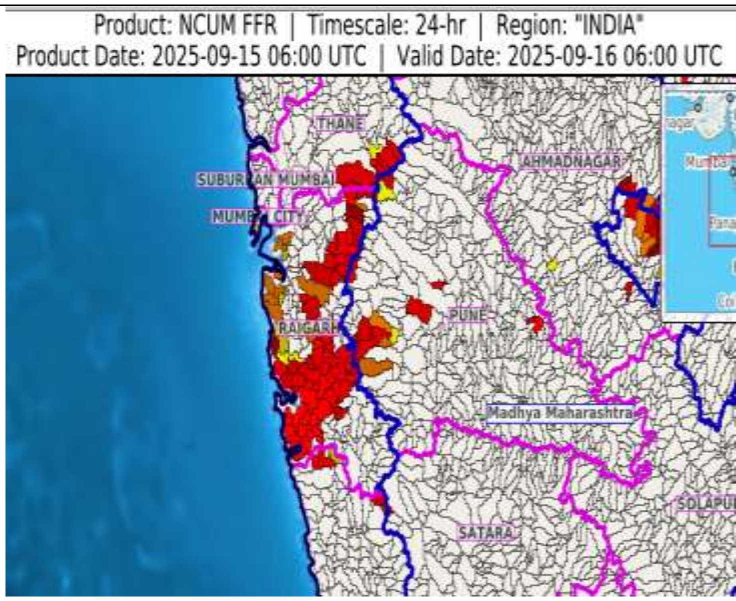

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

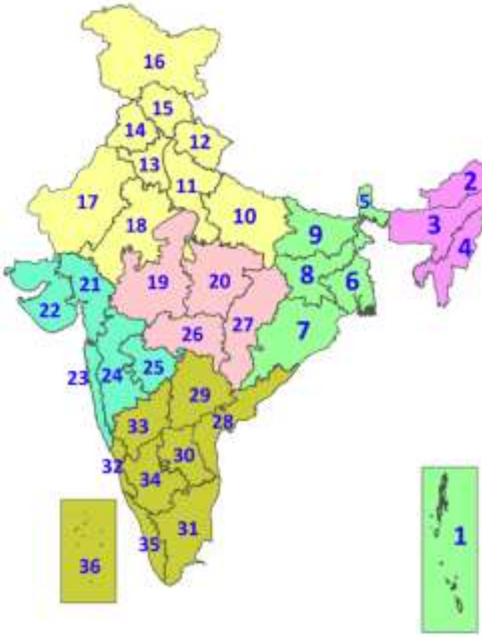

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- Fog
- Heavy Rain
- Very Heavy Rain
- Extremely Heavy Rain
- Thunder & Lightning
- Hailstorm
- Dust Raising Winds
- Heavy Snow
- Dust Storm
- Heat Wave
- Warm Night
- Hot Day
- Hot & Humid
- Strong Surface Winds
- Cold Wave
- Cold Day
- Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)